बैतूल जिले के माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. उपाधिकी आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुति

लघु शोध प्रबंध

सत्र - 2010-2011

निर्देशक :
डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण
प्रवाचक
शिक्षा विभाग

शोधकर्ता
सुनिता साखरे
एम.एड. (आर.आई.ई.)
भोपाल

केंद्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी)
श्यामला हिल्स, भोपाल मध्यप्रदेश

2010:2011

बैतूल जिले के माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड.
उपाधिकी आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुति

D-347

लघु शोध प्रबंध

सत्र – 2010–2011

निर्देशक :
डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण
प्रवाचक
शिक्षा विभाग

शोधकर्ता
सुनिता साखरे
एम.एड. (आर.आई.ई.)
भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी)
श्यामला हिल्स, भोपाल मध्यप्रदेश

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि सुनिता साखरे क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, (एन.सी.ई.आर.टी) भोपाल में एम.एड. (R.I.E.) के नियमित छात्रा है इन्होनें बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध विषय प्रबंध "बैतूल जिले के माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का अध्ययन" मेंरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। यह शोध कार्य इनकी निष्ठा एवं लगन से किया गया मौलिक प्रयास है। जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नही किया गया है।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की एम.एड. परीक्षा सत्र 2010–2011 की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

स्थानः भोपाल

दिनाँकः 28.04. 2011

निर्देशक

डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण प्रवाचक

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,

(एन. सी. ई. आर. टी)

भोपाल, म.प्र.

आभार ज्ञापन

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध की सम्पन्नता का सम्पूर्ण श्रेय डॉ.यू.लक्ष्मीनारायण (प्रवाचक) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल को है।

आदरणीय डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण जी के प्रखर, तीक्ष्ण व धीर – गम्भीर व्यक्तित्व की निरंतर प्रोत्साहन और मार्गदर्शन ने मुझे इस शोध कार्य को पूर्ण करने के लिए सदैव प्रेरित किया।

मै आदरणीय प्राचार्य डॉ. के. बी. सुब्रमण्यम, अधिष्ठाता डॉ. रीटा शर्मा एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बी. रमेश बाबू के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होने प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन देकर इस शोध कार्य को समपन्न करने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

मैं डॉ. एस. के गुप्ता, डॉ. एन.सी. ओझा, डॉ. के.के. खरे, डॉ. एम.यू. पैईली, श्री संजय पंडागले सर, श्री आनंद वाल्मिकी सर, डॉ. सुनीती खरे एवं उन समस्त गुरूजनों की हृदय से आभारी हूँ, जिन्होनें समय–समय पर उचित मार्गदर्शन करके मेरे इस शोधकार्य में सहयोग दिया। मैं पुस्तकालय अध्यक्ष श्री पी.के. त्रिपाठी तथा उनके सहयोगियों का हृदय से धन्यवाद देना चाहूँगी, जिनके अपूर्व सामायिक सहयोग से शोधकार्य में सहयोग दिया।

समस्त सहपाठियों की आभारी हूँ जिन्होने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से शोध कार्य को पूर्ण कराने में सहयोग दिया। मै अपने ससुर श्री शंकर साखरे, ससुराल पक्ष के सभी सदस्य एवं अपने पति श्री गौतम साखरे का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होने मुझे एम.एड. पाठ्यक्रम पूर्ण करने की प्रेरणा दी व समय – समय पर मेरा मनोबल बढ़ाया और इस सहयोगको मै कभी विस्मृत नहीं कर सकूंगी।

स्थानः भोपाल

दिनाँकः– 28.04.2011

सुनीता साखरे

एम.एड. छात्रा

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,

श्यामला हिल्स भोपाल, मध्यप्रदेश

अनुक्रमणिका

विवरण

- अध्याय– 1 शोध परिचय 1– 12

प्रस्तावना

अध्यापक की भूमिका

प्रभावी शिक्षण क्या है?

प्रभावशाली शिक्षक के गुण

- अध्याय –2 संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन 13–20

भूमिका

साहित्य पुनरावलोकन के लाभ

संबंधित साहित्य

उपसंहार

- अध्याय –3 शोध प्रणाली 21–28

भूमिका

शोध डिजाईन

न्यादर्श

डपकरण का विवरण

शिक्षक प्रभाविता परिसूची

निर्देशानुसार सलाह

विश्वसनियता

वैधता

स्कोरिंग के निर्देश

प्राथमिकता के अनुसार प्रतिक्रिया का विवरण

प्रदत्तों का संकलन

सांख्यिकी की विधियाँ

- अध्याय –4 प्रदत्तों का विश्लेषण 29–47
- अध्याय –5 सारांश एवं निष्कर्ष 48–53

भूमिका

शीर्षक

अध्ययन के उद्देश्य

परिकल्पनाएँ

न्यादर्श

चर

मुख्य परिणाम

सुझाव

- संदर्भ ग्रंथ

- परिशिष्ट